हमने जैन मंदिर देखा है
हमने जैन उपाश्रय देखा है
हमने जैन स्कूल देखी है
हमने जैन धर्मशाला देखी है

क्या हमने अभी तक

जैन अनाथाश्रम

देखा या सुना है?

वात्सल्यपुरम अनाथालय

• बैंगलोर • सुरत • इन्दौर • जोधपुर • कलकत्ता

स्नेह • संस्कार • शिक्षा

स्नेह • संस्कार • शिक्षा

धर्मानुरागी सुश्रावकश्री....

पक्षी का आश्रय स्थान वृक्ष है।
सिंह का आश्रय स्थान गुफा है।
चींटी का आश्रय स्थान दर है।
मनुष्य का आश्रय स्थान घर है।
जल का आश्रय स्थान नदी, समुद्र है।

विश्व की हर वस्तु एवं हर व्यक्ति आश्रय स्थान के बिना रह नहीं सकती है।

बालक का आश्रय स्थान माता की गोद है। माता-पिता की उपस्थिति में बालक सुरक्षित, संस्कारित, शिक्षित होता है।

लेकिन जिन बालकों के माता-पिता नही होते, जब बालक अनाथ हो जाता है। तब उनके जीवन में स्नेह, संस्कार, शिक्षा, सुरक्षा की कल्पना करना मुश्किल है।

हमारा **वात्सल्यपुरम अनाथालय** का दृढ संकल्प है कि अनाथ बालकों को आश्रय देना एवं समाज में आदर्श बालक के रुप में प्रस्तुत करना।

5 राज्य

75 स्टाफ

43rd ANNIVERSARY

SINCE 1980

300 बच्चे

1 लाख इंस्टाग्राम फॉलोवर्स

स्नेह, संस्कार, शिक्षा के 43 वर्ष पूर्ण होने पर हम आपके आभारी है!

राष्ट्रीय सम्मान

स्नेह · संस्कार · शिक्षा

जैन अनाथ आश्रम से लाभ

1. जैन जन संख्या वृद्धि

आज जिनशासन का विस्तार बढ रहा है लेकिन जनसंख्या तेजी से कम हो रही है। सम्राट संप्रति के समय में जैनों की जनसंख्या 40 करोड के करीब थी हालांकि अब 70 लाख के आसपास है। जिनशासन की स्थावर एवं जंगम समृद्धि स्वरुप बडे-बडे तीर्थस्थानक, जिनालय, उपाश्रय, धर्मशाला, स्थानक, तेरापंथ भवन एवं हमारे शासन की अमूल्य विरासत ऐसे श्रमण-श्रमणी भगवंतों की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है जनसंख्या... सरकार द्वारा हमारी संस्था को अनाथ बच्चे दिये जाते है। तब सरकार से कमिटमेंट होता है कि, उनको जैनिजम के संस्कार दिये जायेंगे और आधार कार्ड में भी जैन शब्द लिखा जाता है इस प्रकल्प के द्वारा जैन जनसंख्या वृद्धि का हमारा प्रयास है।

2. संस्कार प्रदान

बच्चे को उपहार ना दिया जाए तो वह अकेला कुछ समय के लिए रोयेगा मगर संस्कार ना दिए जाए, तो उसके साथ समाज और देश को भी रोना पडेगा। आपको जानकर विस्मय होगा कि, हमारे आश्रम में 3 वर्ष के नन्हे से बालक ने स्पष्ट उच्चार के साथ बडी सरलता से बडी शान्ति का पाठ सीख लिया। हररोज रात्रि भोजन का त्याग, परमात्मा की पूजा, दो घंटा पाठशाला द्वारा मूल से ही संस्कार सिंचन किया जाता है। धार्मिक संस्करण के साथ-साथ राष्ट्रप्रेम, पर्यावरण प्रेम, सामाजिक ज्ञान भी प्रदान किया जाता है।

3. संस्कृत रक्षा

पूरे विश्व में आज 15 करोड 30 लाख अनाथ बालक है उनमें से भारत में 2 करोड 96 लाख अनाथ बालक हैं। भारत में आज जितने भी अनाथ आश्रम है वे सब प्राय: ईसाइ धर्म के हस्तगत है, माता-पिता जब निराधार बच्चे को छोड देते है तब वो बालक ईसाई आश्रम में जाता है, बाद में वें बालक उस धर्म का प्रचार-प्रसार करते है। राष्ट्ररक्षा एवं धर्मरक्षा के लिए जरुरी है संस्कृति रक्षा। हमारे आश्रम के बालकों को मूलत: जैन संस्कृति एवं सनातन संस्कृति के पाठ पढाये जाते है, हमारी आर्य परंपरा की विचारधारा वाला बालक बनें यही हमारा प्रयास रहता है। ये तीन लक्ष्य के साथ हमारी संस्था जिनशासन की सेवा में रत है आपका योगदान हमारे कार्य में प्राण संचार करेगा।

वात्सल्यपुरम अनाथालय सुरत
नवनिर्माणाधीन भवन में विशेष अनुदान देने पर
हम हृदय की गहराइयों से आपका आभार प्रकट करते है

: प्रेरक :

प.पु. मुनिराज श्री जिनरतन विजयजी
म. सा. डेहलावाला

: प्रमुख सौजन्यदाता :

श्रीमती - नाथीदेवी दीपचन्दजी तातेड़

सुपुत्र - जयन्तीलाल, महेन्द्र, गजेन्द्र, दिनेश
सुपौत्र - आर्यमित्र, कदम, क्रिशील, मोक्ष, तातेड़ परिवार
सुरत - जोधपुर - समदड़ी

: लाभार्थी :

मातोश्री सीताबेन कान्तीलाल अनावलावाला सह. परिवार, (हस्ते स्व. रमेशभाई, स्व. रसिक भाई, महेन्द्र भाई, जितेश भाई) राहुल दोशी के आत्मश्रेयार्थे, श्री प्रविणचंद प्रतापराय दोशी, मधुमती, जयेश, वैशाली, श्रुति (महुवावाला सुरत), निखिलभाई, जितेन्द्र भाई शाह (खंभात) स्व. शैलेशभाई बच्चुभाई मेहता, स्व. मेघराजा कोठारी, श्रीमती किरणदेली कोठारी, संघवी बाबुलालजी नरसिंहमलजी हरनेशा (सिंघघरी सुरत), स्व. शैलेशभाई बच्चुभाई मेहता, स्व. कमलाबेन (जिबा) मोतीचंद शाह एवं स्व. नगिनचंद रायचंद शाह, ह. प्रविण जयचंद शाह (अंधेरी-मुम्बई), संघवी लीलाबेन मिश्रीमलजी प्रभुजी देसाई (सिंणघरो सुरत), एस.एन.एस बिल्डिंग फयचुर, महावीरजी बाफना, पन्नाबेन संदिपभाई परिख (वालकेश्वर मुम्बई), श्रीमती धनलक्ष्मीबेन चीमनलाल देशी परिवार विजय, कविता, वीर, मिर्ली (महुवावाला दुबई), क्रुशल कांती जैन संघ (पाल) संदिपभाई वसंतलाल शाह (बारडोली सुरत), श्रीमती हंसाबेन महेन्द्रकुमार दोशी परिवार टिट-बीट मसाला परिवार (नवी मुम्बई), श्री धानेरा स्थानकवासी जैन संघ कैलाशनगर कमलाबेन बाबुलाल शाह, ह. दिलीपभाई (दबाउ-सुरत), जैन सोशल ग्रुप (यू.एस.ए.), नयाबेन दिनेशभाई शाह (पाटण) मरीन ड्राइव, ओमप्रकाशजी रणमलजी सिंघवी (पाल) रसिकभाई गर्फुरचंद शाह (सांन्ताक्रुझ़), भानुबेन एवं स्व. चंम्पकलाल शाह, ह. संतोष एवं स्व. भावना शाह

नवनिर्माणाधीन

वात्सल्यपूरम् सुरत

वात्सल्यपुरम बैंगलोर

वात्सल्यपुरम इन्दौर

वात्सल्यपुरम जोधपुर

स्नेह · संस्कार · शिक्षा

योगा क्लास

मंथली हेल्थ चैकअप

प्रतिदिन जैन धार्मिक कक्षा

VATSALYAPURAM FOUNDER
JAMNA DEVI DHARIWAL-1980

ANNUAL FUNCTION WITH
SURAT POLICE-2019

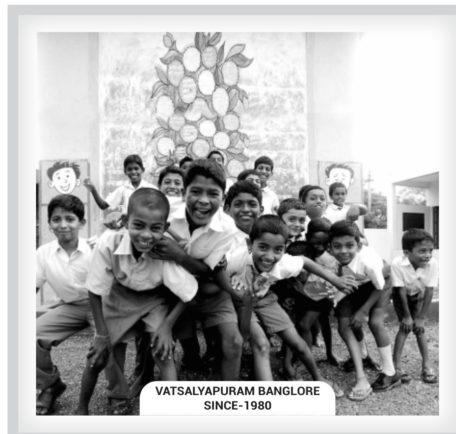

VATSALYAPURAM BANGLORE
SINCE-1980

VATSALYAPURAM JODHPUR
SINCE-2015

VATSALYAPURAM INDORE

!! जय जिनेन्द्र!!

वात्सल्यपुरम जैन चैरिटेबल ट्रस्ट

वात्सल्यपुरम सेवा संस्थान (रजि.)

(1980 - 2025)

अध्यक्ष

संख्या	अध्यक्ष का नाम एवं जन्म स्थान	कार्यकाल
01.	जमना देवी धारीवाल - मुंबई	1980 -1985
02.	प्रेमलता संचेती - मुंबई	1985-1990
03.	मीना देवी ओसवाल - पुणे	1990-1995
04.	गरिमा भंसाली - बड़ौदा	1995-2000
05.	रिंद्धिमा जैन - अजमेर	2000-2005
06.	सुमन अग्रवाल - बीकानेर	2005-2010
07.	सोनम जैन - जोधपुर	2010-2015
08.	शिखा जैन - जोधपुर	2015-2020
09.	शिखा जैन - जोधपुर	2020-2025
10.		2025-2030

नोटः- 1. दिखाए गए सारे आंकड़े और नाम भारत सरकार के सोसाइटी रजिस्ट्रेशन 1958 अधिनियम के तहत् ट्रस्ट व चुनाव के आधार पर है किसी भी प्रकार का बदलाव अपेक्षित नहीं है !

2. ट्रस्ट की सभी शाखाओं का संचालन एक ही अध्यक्ष के द्वारा किया जाता है।

GOVERNMENT OF INDIAN CERTIFICATE

PAN CARD

आयकर विभाग
INCOME TAX DEPARTMENT
भारत सरकार
GOVT. OF INDIA
स्थायी लेखा संख्या कार्ड
Permanent Account Number Card
AACAV3380M
नाम / Name
VATSALYAPURAM SAVA SANSTHAN
निगमन / गठन की तारीख
Date of Incorporation/Formation
29/09/2015

SOCIETY CERTIFICATE

सहकारिता विभाग / COOPERATIVE DEPARTMENT
Signature valid

TRUST CERTIFICATE

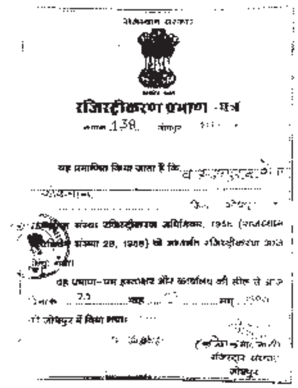

राजस्थान सरकार
रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र

CSR CERTIFICATE

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Dated : 14-03-2022

NOTE - THIS LETTER IS ONLY AN APPROVAL FOR REGISTRATION OF THE ENTITIES FOR UNDERTAKING CSR ACTIVITIES.

To,
VATSALYAPURAM SAVA SANTHAN , H 71-72 PRATAP NAGAR,JODHPUR,RJ18,RJ,342001

PAN : AACAV3380M

Subject: In Reference to Registration of Entities for undertaking CSR activities
Reference: Your application dated 14-03-2022 (SRN-T87100047)

Sir/Madam,

With reference to the above, it is informed that the entity has been registered for undertaking CSR activities and the Registration number is CSR00024320. Please refer the registration number for any further communication.

Registrar of Companies
ROC-DELHI

Note: The corresponding form has been approved and this letter has been digitally signed through a system generated digital signature.

TRUST LICENCE

TRUST DEED FOR

80G CERTIFICATE

FORM NO. 10AC

12 A CERTIFICATE

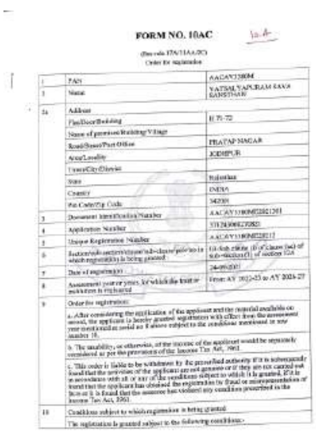

FORM NO. 10AC

AUDIT REPORT

FORM NO. 10B

TAN CARD

आयकर विभाग
INCOME TAX DEPARTMENT
भारत सरकार
GOVT. OF INDIA

वात्सल्यपुरम अनाथालय द्वारा संचालित

4 शाखाओं का प्रतिदिन भोजन खर्च

- **Breakfast - 6000/-** (सुबह का नाश्ता)
- **Lunch - 12400/-** (लंच)
- **Dinner - 12400/-** (डिनर)
- **Full Day - 28400/-** (पूरे दिन का भोजन)

ACCOUNT DETAIL

ACCOUNT HOLDER :

VATSALYAPURAM ORPHANAGE HOME

ACCOUNT NUMBER : 50200051807389

IFSC : HDFC0000142

ACCOUNT TYPE : CURRENT

BANK NAME : HDFC BANK

Paytm G Pay

B-62, Keshav Nagar, Opp. SVNIT College
Dumas Road, Umrah Gaon, Athwa Line, Surat

स्नेह · संस्कार · शिक्षा

वात्सल्यपुरम अनाथालय

एक शाखा का प्रतिदिन के खाने का खर्च

Breakfast - 1500/- **Lunch - 3100/-**
Dinner - 3100/- **Full Day - 7100/-**
Anniversary & Birthday Cake Cutting - 1100/-
(After 1:00 PM)

एक बच्चे का एक साल पढ़ाई का खर्च	11000/-
महीने का दूध का योगदान	12000/-
महीने का किराया का योगदान	48000/-
महीने का स्टाफ सैलेरी	60000/-
महीने का सब्जी का योगदान	9000/-
महीने का गैस खर्च	2700/-
बच्चों के कपड़े	15000/-

जैन सम्मान-पत्र

सौभाग्य मुनि "कुमुद"

महामंत्री , श्रमण संघ .

11-9-2017

आनंद गुरुवे नमः

आनंद गुरु के आशीर्वाद से तथा मेरे द्वारा पूर्ण जानकारी प्राप्त करने के पश्चात मेरे इन बहनों के कार्य से आनन्द मेरे हुआ इनका कार्य सराहनीय है अपने घर पे एक बच्चे का भी पालन पोषण आजकल के परिवार नहीं कर पाते जिसमें ये 60 अनाथ बेगर बिना परिवार के बच्चों को ममत्व दे रही है। मेरा इस संस्था पे पूर्ण रूप से आशीर्वाद है हमें उनके लिए करना चाहिए जिनका कोई नहीं है। और पूर्ण रूप से जरूरतमंद है अच्छे कार्य के लिए इन बच्चों तथा इस संस्था पे भरपूर आशीर्वाद।

सभी इन बच्चों के लिए पूर्ण भाव रखें

चतुर्थ पट्टाधीश, प्राकृताचार्य

श्री सुनीलसागरजी महाराज चातुर्मास समिति

शीतल हुमड़ भवन, तेलीवाड़ा, उदयपुर (राज.)

क्रमांक : दिनांक :

संरक्षक	अध्यक्ष	मौनाध्यक्ष	महामंत्री
सेठ शान्तिलाल नागदा 9829393778	शान्तिलाल वेलावत 98290 40200	जयन्तीलाल रजावत 94131 74618	सुरेशचन्द्र पदमावत 94141 60544

चातुर्मास प्रमुख चेतन प्रकाश मगत 98290 40183

कार्याध्यक्ष सुमतिलाल दुदावत 94134 02195

स्वागताध्यक्ष जय कासवा 9351412058

संयोजक हीरालाल मालावी 92577 76365, लक्ष्मीलाल बोहरा 94141 58454

वरिष्ठ उपाध्यक्ष जनकलाल सोनी 94141 63739

मंत्री प्रकाशचन्द्र सिंघवी 94615 47334

मुख्य संयोजक देवेन्द्र छाप्या 94685 79072

कोषाध्यक्ष कल्याणमल मेहता 99299 96472

शिल्पा मैडम,

– चतुर्थ पट्टाधीश आचार्य सुनीलसागरजी का आशीर्वाद.

वात्सल्यपुरम् के नाम से आप लोगों ने मासूम जिंदगियों पर प्यार लुटाने का अनूठा संकल्प लिया है। बेसहारे और अनाथों की सेवा सच्चा धर्म है। इस मायने में इस संस्था के सारे कार्यकर्ता सच्चे धार्मिक हैं।

बेशक, साधुओं का आशीर्वाद जीवन के हर क्षेत्र में चार-चांद लगा देता है। गुरुवर का आशीष संस्था के सारे बच्चों, मेरे दानदाताओं के जीवन को महका देगा।

आप सभी दिलो-जान से सेवा करते रहें, इन्हें भरपूर प्यार देते रहें। इन बच्चों की दुआएं और गुरु कृपा आपकी संस्था को वो मुकाम हासिल कराएगी जो आपने सपने में भी नहीं सोचा होगा।

वात्सल्यपुरम् चांद सितारों की तरह जगमगाएगा - ऐसा गुरुवर का आशीष है।

गुरु आदेश से
मुनि सम्बुद्धसागर
21.10.2017

॥ नमुत्थुणं समणस्स भगवओ महावीरस्स ॥

॥ परमोपास्य आनंद-माणिक्य-चंद्र-हेम-देवेन्द्र-चिदानंद-दर्शन-सूर्योदयसागर सूरिवरेभ्यो नमः ॥

પૂજ્યપાદ આગમોધ્ધારક આંનદસાગર સૂરીશ્વરજી મહારાજા

આગમ વાચના શતાબ્દી વર્ષ - સંવત ૨૦૭૩

ગચ્છાધિપતિ આચાર્ય દૌલતસાગરસૂરિ

તિથી શ્રા. વદ. ૮

ગામ ઉજ્જૈન

સેવાભાવ. વાત્સલ્યપુરમ્ અનાથાલય જોધપુર

ધર્મલાભ- આશીર્વાદ.

आप सभी बालक-बालिका को अंतरसे आशीर्वाद....

हमारे जैसे साधु-संतो के आशीर्वाद बतसे उत्तम धर्म-राष्ट्र-संस्कृति के प्रति समर्पित भावसे आप सदैव विकसित हो... जीवन कुछ करने लिए है। मिला हुआ मानव जन्म सार्थक बनाये.

इस संस्था को सर्वजन सहयोग सदैव दे ऐसी सूचना करता हूं।

दू. आज्ञासे
हर्षसागरसूर

जैन दिवाकर-कमल तीर्थ

संचालित

श्री महावीर एलवा माँ गौशाला एवं विकास समिति

डूंगला, जिला चित्तौड़गढ़ 312402 (राज.)

क्रमांक : दिनांक : 2.10.2017

कर्मठ व्यक्तित्व की धनी परम गुरु भक्त
सु. श्री शिल्पा जैन

विशेष धर्म संदेश

आपकी सेवा निष्ठा और समर्पण के साथ सक्रियता को देखकर अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच (रजि.) नई दिल्ली की राजस्थान महिला शाखा की अध्यक्षता के रूप में घोषित करते हुए अपार प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है पूर्ण आशा है कि अपने कार्य को निष्ठा पूर्वक निर्वहन करेंगी इसी मंगल आशीर्वाद के साथ शुभ कामना

कमलमुनि कमलेश
कानपुर
2.10.2017

गौ सेवा ! ईश्वर सेवा !

कार्यालय : 1- शान्तिलाल दानी (पटवारी), दूधिया की मोहल्ला, डूंगला - 312402, जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)
2- रमेशचन्द मेहता, मालवा सेन्टर, तहसील रोड, डूंगला

हमारा बैंक : स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर शाखा डूंगला कोड नं. 1243

ಶ್ರೀ ಜಿನ್‌ಕುಶಲಸೂರಿ ಜೈನ್ ದಾದವಾಡಿ ಟ್ರಸ್ಟ್

श्री जिनकुशलसूरि जैन दादावाडी ट्रस्ट

SHREE JINKUSHALSURI JAIN DADAWADI TRUST

89/90, Govindappa Road, Baswangudi, Bengaluru - 560 004. Ph.: 22423548

Ref. No

Date: 02.12.2022

श्री सकल जैन समाज से आग्रह है की वात्सल्यपूरम अनाथआश्रम जयनगर जिसमें अनाथ बच्चों का पालन पोषण किया जाता है, जिसमें अभी ३० बच्चे हैं। हमारा बसवनगुडी संघ ३ साल से इस संस्था से परिचित है, इस संस्था में सभी बच्चों को जैन धर्म से जोड़ा जाता है, इस संस्था का कार्य सराहनीय है, इसलिए आप सब समाज से आग्रह है की आप अपना ज्यादा से ज्यादा योगदान देके इसको आगे बढ़ने में सहयोग प्रदान करें, आप के द्वारा दिया गया दान सही जगह उपयोगी होगा।

हमारे संघ से प्रतिवर्ष इस संस्था को अच्छा योगदान दिया जाता है। इस संस्था की संचालिका शिखा संचेती जोधपुर से है, और भी कई शहरों में इनका कार्य सहरानीय हो रहा है, संस्था रजिस्टर्ड है और 80G में रजिस्टर्ड भी है।

For Sri Jinkushalsuri Jain Dadawadi Trust

Trustee

Aravind Kumar Kothari

श्री अवंति पार्श्वनाथ स्वामिने नमः

प्रातः स्मरणीय गुरुदेव श्रीमद् विजय राजेन्द्रसूरि गुरुभ्यो नमः

पू. युगप्रभावक, पुण्यसम्राट गुरुदेव **श्री जयन्तसेन सूरीश्वरजी म.सा.** के पट्टधर

गच्छाधिपति नित्यसेन सूरि

उज्जैन चातुर्मास

श्री जैन श्वेताम्बर श्री संघ।

धर्मलाभ।

वात्सल्यपुरम् अनाथालय जोधपुर कि यह संस्था अपने जैन समाज कि संस्था है।

इस वात्सल्यपुरम अनाथालय में 60 बच्चे अभी है। उनका पुरा ख्याल सेवा मैनेजमेंट आदी सुन्दरतम व्यवस्था शिखा संचेती, सोनमजैन, सुमन आदी करते है। यह संस्था रजीस्ट्रेड है।

इसीलिये आप श्री संघो से विशेष निवेदन है कि यह संस्थावाले जो भी सदस्य आप के पास आवे उन्हे आप अच्छे से अच्छा सहयोग प्रदान करके अनाथबच्चो के लिये सेवा में योगदान रुप बन कर अपनी लक्ष्मी को धन्य बनाकर पुन्य उपार्जन करे।

यही शुभ मंगल कामना।

सभी को धर्मलाभ कहे।

ग. आ. नित्यसेनसूरि का धर्मलाभ

उज्जैन (म.प्र.)

सम्पर्क सूत्र : श्री राजेन्द्रसूरि जैन ज्ञान मन्दिर, नमकमंडी, उज्जैन (म.प्र.) 0734 25 56715

शुभाशीष

अहिंसा, व्यसनमुक्ति, शाकाहार, बेटी बचाओ अभियान के प्रणेता

प.पू. गणाचार्य श्री 108 विरागसागर जी महाराज

Notes

ॐ

दीन दुःखी जग दिखे, करुणा भाव हिये भरिए।
सो जीव रहे सो, दया धर्म से सदा आदरे॥

अर्थात् - दीन-दुखि जीवों को देखकर जो करुणा भाव आता है वह दया धर्म है उसका सदा आचरण करो ऐसा महावीर भगवान का उपदेश है।

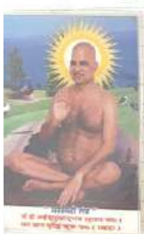

वात्सल्यपुरम अनाथालय जोधपुर जैन समाज द्वारा किया गया कार्य अत्यंत प्रशंसनीय है। जैन बेटियों काफि आगे बढ़ रही है - "जो जमाने आप में एक संदेश है कि बेटियाँ भी सब कुछ कर सकती है। " बेटि बचाओ बेटि पढ़ाओ नारि को समाज तथा राष्ट्रहित में कुछ कर सके

ॐ नमः

2/2/1/2543

[illegible]नगर - राज.

खरतरगच्छाधिपति

आचार्य जिनमणिप्रभसूरि

पत्रक्र.

दिनांक :

॥ॐ॥

जोधपुर ही नहीं देश के अलग-2 चार प्रान्तो में फैला वात्सल्यपुरम् अनाथ सेवा का अनूठा केन्द्र है।

श्री शिखा बहिन संचेती जिन्होंने अपना पूरा जीवन इस अनाथ आश्रम को समर्पित किया है, बहुत ही अच्छे और व्यवस्थित रूप से इसे संचालित करती है। इनकी सेवा व समर्पण भावना अनुमोदनीय है।

इस संस्था को दिया गया दान पूर्ण रूप से सार्थक है। इन बालक बालिकाओं में जैनत्व के संस्कार प्रदान किये जाते हैं।

संस्था के कार्य अनुमोदनीय है।

जयपुर

30.7.2022

Letter of Gratitude

आपका वात्सल्यपुरम् सुरक्षित है।

मेरे प्रिय अपनों,

सन् 1980 में स्थापित वात्सल्यपुरम् अनाथालय भारत के सबसे अंग्रेणी सेवा संस्थानों में से एक है। मेरे द्वारा वात्सल्यपुरम् को इसलिए अपनाया गया हैं क्योंकि हमारी दृष्टि में केवल, अनाथ बच्चों का पालन पोषण व शिक्षा देकर ही हमारे देश को आत्मनिर्भर बनाने का एक मात्र तरीका था और हम यह मानते है कि यह कार्य उचित और पारदर्शी तरीके से किया जाना चाहिये। जब हमने अनाथालय कि दुनिया में कदम रखा और उस समय ये क्षेत्र संदिग्ध और अनैतिक संस्थानों में परिपार्टियों का पर्याय था। उस समय की मौजुदा स्थापित संस्थानों कि परिपार्टियों पर चलने के बजाय हमने उचित और पारदर्शी कार्य कि परिपार्टी शुरु करके अनाथालय कि दुनिया में परिवर्तन लाने का निर्णय लिया। हम जानते थे यह यात्रा बहुत लम्बी होगी और हमें अपनी मंजिल तक पहुंचने में बहुत समय लगेगा, लेकिन फिर भी हमने भगवान महावीर के सिद्धान्तों और नैतिक आचरणों पर अटल रहने का निर्णय किया। आज सम्पूर्ण भारत में अनाथालय कि दृष्टि में हम सबसे आगे है। 300 से अधिक अनाथ बच्चों का पालन पोषण, अनाथालय के स्वयं के स्कुल में 800 गरीब बच्चों को शिक्षा का हिस्सा बनाया है व 3 अन्तर्राष्ट्रीय व 10 राष्ट्रीय पुरस्कार का सम्मान प्राप्त किया यह हमारा घमण्ड नहीं विश्वास है।

आओ इस परिवर्तन की वेला में हम अनाथ बच्चों की मदद करें व कोरोना की जंग जीतने के बाद हम खुशियां शेयर करें ताकि हम अनाथ बच्चों के सपनों को आपके साथ साझा कर सकें और जीवन का एक लंबा सफर तय कर सके यह अनाथालय के बच्चों की जिंदगी का ऐतिहासिक क्षण है और मैं आपके अपने परिजनों और मित्रों के साथ जन्मदिन, शादी की सालगिरह व कुछ खास खुशियों के पल सेलिब्रेट करने के लिए वात्सल्यपुरम् की खुशियों की इस महफिल में हिस्सेदारी वह भागीदारी का व्यक्तिगत निमंत्रण देती हुँ आपके असीम प्रेम सहयोग तथा परम पिता परमेश्वर के आशीर्वाद के बल पर मुझे पूर्ण विश्वास है यह क्षण अनाथालय के बच्चों की जीवन में रोशनी लाने व उनके स्तर को ऊंचा उठाने का निस्वार्थ की दिशा में दूरगामी में कदम होगा

धन्यवाद!

शिखा जैन
मुख्य प्रबंधक

भारत सरकार द्वारा 80G मान्यता प्राप्त संस्थान।

अध्यक्ष : शिखा जैन
सम्पर्क सूत्र : 8955688886

वात्सल्यपुरम अनाथालय

• बैंगलोर • सुरत • इन्दौर • जोधपुर • कलकत्ता

स्नेह · संस्कार · शिक्षा

वात्सल्यपुरम अनाथालय

• बैंगलोर

8904278878, 8955688886

Add. : House No. - 166, 7 Main Road,
37 Cross 5th Block Jayanagar, Bangalore-560041

care@vatsalyapuram.com www.vatsalyapuram.com

• सुरत

8511964085, 8955688886

B-62, Keshav Nagar, Opp. SVNIT College
Dumas Road, Umrah Gaon, Athwa Line, Surat

care@vatsalyapuram.com www.vatsalyapuram.com

• इन्दौर

8602238886, 8955688886

AD-348, Scheme No. 74, Padar School Ke Pass, Satya Sai Circle ke Pass, Giriraj Hotel ke Piche, Vijay Nagar, Indore

care@vatsalyapuram.com www.vatsalyapuram.com

@VATSALYAPURM_ORPHANAGE_INDIA

• जोधपुर

895568 8886, 9558036349

1-B-17, Shopping Centre Road, Back Side
Shiv Balika School, Pratap Nagar, Jodhpur

care@vatsalyapuram.com www.vatsalyapuram.com

#D&P BY : CG DESIGN : 8955345063